फसह

हग्गादाह

द्वारा :

द पासओवर प्रोजेक्ट

परिचय

व्यवस्था में परमेश्वर ने उसके साथ मिलने के लिए हमेशा के लिए नियत समय व "मोआदिमस" निर्धारित किया है । फसह या "पेसाख" प्रभु के इन नियत समयों या पर्वों में से पहला है । फसह एक ऐतिहासिक तथ्य है, जो मिस्र के दासता से इस्राएलियों के उद्धार के बारे में बताता है । यीशु के विश्वासियों के रूप में, हम न केवल मिस्र से उद्धार के महान चमत्कार को याद करते हैं, परन्तु यह भी मानते हैं कि फसह, पाप और मृत्यु से हमारे छुटकारे का एक छाया समान था।

परमेश्वर ने अपने बच्चों को छुड़ाया, ताकि वे स्वतंत्रता का एक जीवन को जी सकें। इसी तरह, हम सब गुलामी और पाप से छुडाये गया है। जैसे हम इस नियत समय को मानते हैं, तो हम अपने आप को याद दिलायें कि हमारा छुटकारा हमारे मसीहा, यीशु के लहू के द्वारा हुआ है ।

संसार में, यीशु, अपने अंतिम समयों में, अपने चेलों के साथ फसह को मनाया । इस भोजन के दौरान, यीशु ने सेडेर तत्वों और आज्ञा के महत्व को प्रकाश किया कि "उसके याद में यही किया करें" और जब तक वह न आये उसके वलिदान को स्मरण किया करें ।

1 कुरि. 11:26 कहता है, "क्योंकि जब कभी तुम यह (अखमीरी) रोटी खाते, और इस (छुटकारे के कटोरे) कटोरे में से पीते हो, तो प्रभु की मृत्यु को जब तक वह न आए, प्रचार करते हो।"

निम्न हाग्गादाह पारंपरिक सेवा के विधि पर आधारित है, और येशुआ (यीशु) के अन्यजाति अनुयायियों के द्वारा उपयोग के लिए अनुकूल है। सेडेर के तत्वों के साथ, हम निर्गमन के कहानी और अंतिम भोज के बीच संबंध को बाटेंगे ।

जैसा हम इस सेडेर या "विधि के साथ भोजन" का पालन करते हैं, इस महान आशीष और छुटकारे के समय का आनंद लें, जो परमेश्वर हमें हमारे उद्धारकर्ता और मसीहा, यीशु के द्वारा देते हैं।

* सेडेर के दौरान, *इटैलिक वाक्यांश* भाग लेनेवालों के द्वारा होनेवाले क्रिया / वाक्यांश के दोहराए जाने को दर्शाता है ।

खाग सामेआख

और

छुट्टी के दिन मुबारक हो!

सेवा के विधि

दीप ज्वलन 5

चार कटोरे 6

पवित्रीकरण का कटोरा 6

हाथों को धोना 7

चार प्रश्न, भाग एक 8

पर्सेले 8

अखमीरी रोटी 9

उद्धार का कटोरा 10

चार प्रश्न, भाग दो 11

कडवा सागपात 11

खारोसेट 11

फसह का मेम्ना 12

आफिकोमेन.....13

छुटकारे का कटोरा.....14

एलिय्याह का स्थान 15

पुनर्स्थापना का कटोरा (स्तुति) 16

हाल्लेल.....17

मारानाथा 20

फसह के सात आशीषें .....

दीप ज्वलन

परमेश्वर के द्वारा स्थापित इस भोज का सम्मान करते हुए आत्मिक और शारीरिक स्वतंत्रता और छुटकारे के अनुभव में साझा करते है ।

क्या आप दैनिक जीवन के तनाव से जकड़े हुए मेज पर आये है ? हमारे साथ उद्धार के इस उत्सव में भागी हों । परमेश्वर वह है जो हमें बंधनों से स्वतंत्र करता है, और वह कल, आज, और हमेशा के लिए एक सा है ।

जैसे महिलाएं टेबल पर दीपक लाकर सेडेर शुरू करते हैं, तो आईये हम इस बात को याद करें कि परमेश्वर ने हमारे उद्धारकर्ता, अर्थात जगत के ज्योति, को संसार में लाने के लिए एक स्त्री का इस्तेमाल किया था ।

महिलाएं अब मोमबत्तियां जलाकर औपचारिक तौर पर सेवा आरंभ करेंगे:

महिलाएँ अपने मेज पर मोमबत्तियाँ जलाते हैं ।

सभी महिलाएं एक साथ कहें:

“धन्य हैं आप, हे हमारे प्रभु परमेश्वर, विश्व के राजा, आपने हमें अपने वचन के द्वारा पवित्र किया है और हमें यीशु, हमारा मसीहा को दिया है, और हम जगत के लिए एक ज्योति बनने

के लिए आज्ञा दिया है ।"

चार कटोरे

इस सेडेर के दौरान हम चार कटोरे जूस पियेंगे, जो निम्न चार बातों को संकेते करता है, जो परमेश्वर ने निर्गमन 6:6-7 में अपने बच्चों के लिए करने को कहा है ।

पवित्रीकरण का कटोरा : "मैं तुम्हें बाहर लाऊंगा ..."

उद्धार का कटोरा : "मैं तुम्हे उद्धार करूँगा ..."

छुटकारे का कटोरा : "मैं तुम्हें छुड़ाउंगा ..."

पुनर्स्थापना का कटोरा: "मैं तुम्हें अपने लोगों के रूप में ग्रहण करूँगा ..."

चार कटोरों में से प्रत्येक के लिए एक पारंपरिक पूर्तिकरण है, जो निर्गमन की कहानी में देखा गया है और यीशु के द्वारा पूरा किया गया है । हम पवित्रीकरण के कटोरे से शुरू करके दोनों पूर्तिकरण को देखेंगे।

पवित्रीकरण का कटोरा

"मैं तुम को मिस्रियों के बोझों के नीचे से निकालूंगा"

यह पहले कटोरे से हम यह स्मरण करते हैं कि परमेश्वर अपने बच्चों को मिस्र से बाहर निकाल रहा है और संसार से अलग कर रहा है। परमेश्वर ने अपने लोगों के रोने की आवाज़ सुना है, और अब्राहम, इसहाक और याकूब से किए गए अपने वादे को स्मरण किया है, और "मैं तुम्हे बाहर निकालूँगा!" कह कर प्रतिउत्तर दिया है । परमेश्वर ने उन्हें बाहर निकला और उन्हें अलग कर दिया।

हम जानते हैं कि यीशु ने हमें इस संसार में रहने के लिए बुलाया है, लेकिन संसार के होने के लिए नहीं बुलाया है। यीशु ने हम में से प्रत्येक को, उसके बलिदान के द्वारा चिन्हित, एक अलग सा जीवन, उसके लिए एक चेले के समान, जीने के लिए बुलाया है । हम आनंदित हैं और पूर्ण कटोरे और आनंद से भरे ह्रदय के साथ अपने लोगों के लिए परमेश्वर की भलाई का खुशी मनाते हैं ।

आइए, हम यह पहला कटोरा, पवित्रीकरण का कटोरा को लें, और हमें बाहर लाने और अलग करने के लिए परमेश्वर को धन्य कहे ।

हमारा यह पहला कटोरा को उठाएँ और एक साथ कहें:

"*धन्य हैं आप, हे प्रभु, हमारा परमेश्वर, विश्व के राजा, जो दाख के फल को बनाते हैं । जिसने यीशु को हमारे लिए एक आदर्श और उद्धारकर्ता के रूप में भेजा । यीशु, हमारा मसीहा के नाम में । आमीन ।*"

सभी लोग पहले कटोरे को एक साथ पियें ।

हाथों का धोना - ऊर्खात्ज

सेडेर में इस समय में हम अपने हाथों को धोयेंगे । जैसे हम परमेश्वर के निकट शुद्ध हाथों के साथ आते है, यह एक शुद्धिकरण का एक प्रतिक है ।.

भजन संहिता 24:3-5 कहता है, “यहोवा के पर्वत पर कौन चढ़ सकता है? और उसके पवित्र स्थान में कौन खड़ा हो सकता है? जिसके काम निर्दोष और ह्रदय शुद्ध है, जिसने अपने मन को व्यर्थ बात की ओर नहीं लगाया, और न कपट से शपथ खाई है। वह यहोवा की ओर से आशीष पाएगा, और अपने उद्धार करने वाले परमेश्वर की ओर से धर्मी ठहरेगा।”

जैसे आप अपनी उंगलियों को पानी के कटोरे में डुबोते हैं और उन्हें सुखाते हैं, तब उस रात परमेश्वर ने इस्राएली लोग की देखभाल कैसे किया था, जब वे मिस्र से बाहर निकले थे, फिर बाद में महायाजक ने कैसे अपने हाथों को धोया था, और यीशु ने अपने चेलों के पैर को कैसे धोए थे, उस बात को स्मरण करें ।

सभी लोग, अपने उंगलियों को अलग-अलग पानी में डुबोए और उन्हें सुखाएं ।

पर्सेले - कार्पास

बच्चा पूछता है: "हम पर्सेले और नमक पानी क्यों खाते और पिते हैं?"

फसह एक वसंत ऋतू का पर्व है। इस मौसम में पृथ्वी फूलने लगती है और जीवन के साथ हरा भरा हो जाता है। पर्सेले, जिसे कार्पास कहा जाता है, वह जीवन को दर्शाता है, जो परमेश्वर के द्वारा रचा गया और स्थिर किया गया है। यह जूफा को दर्शाता है जो प्रथम फसह के दौरान द्वार पर फसह के मेमने के लहू को लगाने के लिए प्रयोग किया गया था । नमक का पानी उस आसूं को दर्शाता है जो उस गुलामी और पाप के कारण बहा था ।

आइए, हम पर्सेले की टहनी लें और यह याद करते हुए कि यह जीवन आंसुओं का मौसम ला सकता है, इसे नमक के पानी में डुबोकर रखें । लेकिन इस्राएलियों की तरह, परमेश्वर हमारा भी रोना सुनता है और उत्तर देने के लिए विश्वासयोग है। हम उस दिन का इंतजार करते हैं जब यीशु हमें अपने पास बुलाएगा है और हर आंसू को मिटा डालेगा ।

सब लोग एक साथ कहें :

"धन्य हैं आप, विश्व के राजा, जो पृथ्वी के फल बनाते हैं और दुःख और दर्द से जीवन और आनंद को लाते हैं।"

सभी लोग नमक के पानी में डूबा हुआ पर्सले को एक साथ खाते है।

अखमीरी रोटी - मात्ज़ाह

बच्चा पूछता है: "हम आज के रात मात्ज़ाह क्यों खाते हैं?"

हम दुसरे सभी रातों में खमीरी रोटी खाते है, परन्तु फसह के दिन हम केवल मात्ज़ाह, अखमीरी रोटी खाते हैं। हम ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि इस्राएलियों के पास अपने गुंथा हुआ आटा को अखमीरी करने का समय नहीं था, इसलिए इसके बजाय उन्हें यह पके हुए रोटी खाना था। परमेश्वर ने उन्हें मिस्र से उनके उद्धार की याद में हमेशा मात्ज़ाह खाने की आज्ञा दी।

खमीरी, हमारे जीवन के पाप को भी दर्शाता है। फसह के दौरान हम इसे न केवल मिस्र से इस्राएलियों के उद्धार को याद करने के लिए, परन्तु अपने उद्धारकर्ता, यीशु के द्वारा पाप के बंधन से हमारे उद्धार को भी याद करने के लिए इस मात्ज़ाह को खाते हैं ।

प्रत्येक व्यक्ति अपनी मात्ज़ाह को एक साथ खाए ।

अगुवा: तीन मात्ज़ाह को लेते है ।

हम अब्राहम, इसहाक, और याकूब की याद में मात्ज़ाह के तीन टुकड़े करते हैं। परन्तु, हम मात्ज़ाह के यह तीन टुकड़ों को पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के प्रतिक के रूप में भी देखते हैं, जिन्होंने न केवल इस्राएलियों का उद्धार किया, परन्तु हम में से प्रत्येक को भी बचाया है ।

अब में मात्ज़ाह को बीच में तोड़ूंगा । टुटा हुआ मात्ज़ाह आफिकोमेन है, जो एक यूनानी शब्द है, जिसका अर्थ है “वो जो फिरसे आयेगा ।” हम आफिकोमेन के बारे में भोज के बाद चर्चा करेंगे । आफिकोमेन छिपा हुआ होगा और बाद में उसे बच्चे लोग ढूंढेगे । कुछ समय के लिए यह नहीं होगा, परन्तु कुछ समय के बाद यह फिरसे आ जायेगा ।

अगुवा: आफिकोमेन को नैपकिन में लपेट लें और भोजन के दौरान आफिकोमेन को छिपा दें।

निर्गमन की कहानी

उद्धार का कटोरा

“मैं तुम्हें तुम्हारे दासत्व से छुड़ाऊंगा”

इस्राएली गुलाम लोग एक ऐसे समय में जीते थे, जब ऐसा लगता था कि यह कभी समाप्त नहीं होगा। उन्होंने उन वादों को याद किया जो परमेश्वर ने किया था और वे परमेश्वर के निकट रोने लगे । परमेश्वर ने उनके रोने की आवाज सुना और उत्तर में कहा "मैं तुम्हें तुम्हारे दासत्व से छुड़ाऊंगा।" परमेश्वर ने अपने वायदों के अनुसार उन्हें छुड़ाया। जब फिरौन ने इस्राएलियों को जाने से मना कर दिया, तो परमेश्वर ने फिरौन के हृदय को बदलने के लिए दस विपत्तियाँ भेजी।

जिस प्रकार इस्राएली लोग मिस्र में दासत्व में थे, उसी प्रकार हम सभी भी पाप के दासत्व में हैं। और परमेश्वर ने अपनी भलाई में, अपने पुत्र, यीशु, हमारे उद्धारकर्ता के द्वारा हमें छुड़ाया है।

हम अभी भी खुद को ऐसी स्थितियों में पा सकते हैं, जो ऐसा लगता हो कि कोई रास्ता नहीं है या कोई उत्तर नहीं है। परन्तु परमेश्वर हमारे रोने को सुनता है और छुड़ाने के लिए विश्वासयोग है। कई बार हमारा छुटकारा हमेशा ऐसा नहीं दिखता या महसूस होता, जैसा हमें लगता है कि यह होना चाहिए, परन्तु परमेश्वर हमारे रोने की आवाज़ को सुनता है और वह हमें एक शक्तिशाली हाथ और फैला हुआ भुजा से छुड़ाता है ।

यीशु हमारा उद्धार है, परन्तु वह उद्धार एक बड़ी कीमत के साथ मिला। यीशु ने उद्धार का बोझ तब महसूस किया जब वह बगीचे में प्रार्थना करा रहा था और जब उसके सिर से लहू की बूंदों की तरह पसीना गिरा था ।

अब हम दूसरा कटोरा लेंगे और सभी दस विपत्तियों को एक साथ पढेंगे । आइए, हम अपनी उंगली को हमारे कटोरे में डुबोएं और जूस के बूंदों को अपने कोस्टर पर गिरने दें। जब हम अपने उद्धार के कीमत को स्मरण करते है, आज रात हमारे कटोरे के पूर्णता कम हो जायेगा ।

सभी लोग अपने कटोरे में अपनी उंगली डुबोता है और एक एक विपतियों को स्मरण करते हुए जूस को अपने कोस्टर पर गिराता है:

" लहू! मेंढक! कुटकियां! मक्खियाँ! पशु! फोड़े!

ओले! टिड्डियों! अंधेरा! पहलोटे की मृत्यु! "

कड़वे सागपात - मारोर

बच्चा: “हम कडवा सागपात क्यों खाते हैं? "

निर्गमन 1:13-14 “तौभी मिस्रियों ने इस्राएलियों से कठोरता के साथ सेवकाई करवाई। और उनके जीवन को गारे, ईंट और खेती के भांति भांति के काम की कठिन सेवा से दु:खी कर डाला...” शब्द दुःख (कड़वा) के इब्रानी शब्द मरोर है। आज रात, हम, इस्राएली लोगो के दुःख और कष्ट उठाने के याद में यह कड़वी सागपात खाते है।

हमें भी अपने स्वयं के परीक्षाओं और पीड़ाओं का याद दिलाया जाता है, जिनसे यीशु ने हमें छुटकारा दिया है। हम, मत्ती 21 में जानते हैं, यीशु एक कड़वे कटोरे में से पीने की बात करता है। वह भी इस दुनिया के दर्द और पीड़ा को जानता था और उस बोझ को अपने ऊपर ले लिया

और उसके ऊपर जय प्राप्त किया । उसने हमारे दुख को आनंद में बदल दिया है।

मात्ज़ाह का एक टुकड़ा हॉर्सरैडिश में डुबोएं और एक साथ खाएं

खारोसेट

बच्चा: “हम दुसरे सभी रातों में एक बार भी नहीं डुबोते हैं, पर आज के रात हम दो बार क्यों डुबोते हैं?"

अब हम अपनी मात्ज़ाह को दो बार डुबाएंगे, पहली बार, जैसे हम मिस्र के अधिन इस्राएलियों के दुःख का बोझ को स्मरण करते हैं । हम मीठी खारोसेट में उस प्रेम और दया के स्मरण के रूप में भी डुबोयेंगे, जो हमें परमेश्वर से प्राप्त होता है और वह असीम कृपा जो हमें यीशु के द्वारा मिलता है ।

हम मात्ज़ाह के एक टुकड़ा को हॉर्सरैडिश में और मीठे खारोसेट में डुबोएंगे। यह हमारे उस मधुर आशा का स्मरण के लिए होगा, जो परमेश्वर पर है, यहाँ तक सबसे दुखदायी परिस्थितियों में भी है।

मात्ज़ाह का एक टुकड़ा लें, हॉर्सरैडिश में डुबोएं और फिर खारोसेट में, और एक साथ खाएं।

फसह का मेम्ना

यहाँ पाँव की हड्डी हमें फसह के मेम्ना का याद दिलाता है, जिसे मार गया था। परमेश्वर की आज्ञा का पालन करने को दर्शाते हुए, मेमने के लहू को इस्राएली लोगों के घरों की चौखट पर एक चिन्ह के रूप में लगाया गया था ।

यहूदी लोग अब फसह के समय मेमने की बलि नहीं कर सकते, क्योंकि मंदिर नष्ट हो गया था। परन्तु हम जानते हैं कि अब कोई अतिरिक्त बलिदान की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि

परमेश्वर ने वैसा ही किया है जैसा उन्होंने उत्पत्ति 22: 8 में अब्राहम से वादा किया था और अपने के लिए एक मेमना उपलब्ध किया ।

यीशु, हमारे फसह के मेम्ना के रूप में मारा गया, उसका लहू हमारे हृदयों की चौखटों पर एक चिन्ह के समान है। हम, इस्राएलियों की तरह, यीशु, हमारा मसीहा के बलिदान के द्वारा पाप और अनन्त मृत्यु के जुआ से उद्धार पाया है।

(यशायाह 52:12-53:12)

फसह के भोज का आनंद लें

अफिकोमेन

यह समय है कि उस अफिकोमेन को ढूंढा जाए, जो अलग कर के और छिपा गया था, परन्तु जल्द ही फिर से प्रकट होना था । एक बार जब अफिकोमेन मिल जाता है तो मैं इसके बदले में बच्चे को उपहार देकर उसे “छुड़ालूँगा”।

बच्चे: छिपे हुए अफिकोमेन को ढूंढे। जब मिल जाये, तो उसे सेडेर के अगुवा को लौटा दें।

मात्ज़ाह का यह तोडा हुआ टुकड़ा हमें यीशु के टूटे हुए हृदय की याद दिलाता है, क्योंकि वह हमारे लिए दुःख उठाया और मर गया। हमें यह याद दिलाता है कि सभी लोग यीशु को उस प्रकार ढूंढ रहे हैं, जिस प्रकार बच्चे अफिकोमेन को ढूंढ रहे थे। अफिकोमेन का अर्थ है "वह जो फिर से आएगा" छिपा हुआ था और फिर मिल गया, हम एक बार खो हुए थे, केवल हमारे उद्धारकर्ता के द्वारा फिर पाए गए, अर्थात वो जो मर गया था और दफनाया गया था, परन्तु वह अब जीवित है और फिर से आनेवाला है!

सभी लोग मेज पर के कटोरे से तोड़े गए मात्ज़ाह का एक टुकड़ा को लें ।

हम यीशु को उस तरह से देखते हैं जिस तरह से मात्ज़ाह पकाए गए है । मात्ज़ाह पर लकीरों के चिन्ह हैं। यह उन कोड़ो के लकीरों को याद दिलाता है, जो यीशु को कोड़े खाने से मिला था । यशायाह 53:5, "परन्तु वह हमारे ही अपराधो के कारण घायल किया गया, वह हमारे अधर्म के कामों के हेतु कुचला गया; हमारी ही शान्ति के लिये उस पर ताड़ना पड़ी कि उसके कोड़े खाने से हम चंगे हो जाएं।"

हम यह भी देखते हैं कि कैसे मात्ज़ाह को छेदा जाता है। जो किलों से बेधे गए उसके हाथों की याद दिलाता है। जकर्याह 12:10 कहता है, "और मैं दाऊद के घराने और यरूशलेम के निवासियों पर अपना अनुग्रह करने वाली और प्रार्थना सिखाने वाली आत्मा उण्डेलूंगा, तब वे मुझे ताकेंगे अर्थात जिसे उन्होंने बेधा है, और उसके लिये ऐसे रोएंगे जैसे एकलौते पुत्र के लिये रोते-पीटते हैं, और ऐसा भारी शोक करेंगे, जैसा पहिलौठे के लिये करते हैं।"

यीशु, जीवन रोटी, जो पाप को न जानता था, उसने पाप को अपने ऊपर ले लिया, अपने शरीर को घायल करने और कुचलने को दे दिया । यीशु मर गए, और फिर से जी उठा ताकि हम परमेश्वर की धार्मिकता बन सकें, ताकि हमें उद्धार और चंगाई मिल सके और हमेशा के लिए उसके साथ राज कर सकें।

जब यीशु ने अपने शिष्यों के साथ अंतिम भोज खाया, उसने रोटी ली, उसे तोड़ा, और यह कहते हुए उन्हें दिया, "कि यह मेरी देह है, जो तुम्हारे लिये दी जाती है: मेरे स्मरण के लिये यही किया करो।" लूका 22:19

आईए, मात्ज़ाह में भाग लेने से पहले अपने हृदयों को जाँच लें ।

सभी लोग एक साथ मात्ज़ाह खाते हैं।

छुटकारे का कटोरा

“मैं अपनी भुजा बढ़ाकर तुम्हे छुड़ाऊँगा”

तीसरा कटोरा, छुटकारे का कटोरा, परमेश्वर के वादा "मैं अपनी भुजा बढ़ाकर तुम्हे छुड़ाऊँगा” को याद कराता है। यह वो कटोरा था, जो यीशु, परमेश्वर के मेमने के रूप में उसके महान बलिदान के प्रतीक के रूप में इस्तेमाल करेगा ।

इस्राएलियों ने, मिस्र में अपने दासत्व से मुक्ति के लिए, मेमने के लहू को अपने द्वार पर लगाया था । यीशु की मृत्यु उन लोगों के लिए पापक्षामा और उद्धार को ले कर आता है जो विश्वास करते हैं, पश्चाताप करते हैं और उसका अनुसरण करते हैं। जिस प्रकार मेमने के लहू से परमेश्वर इब्रानी लोगों के घरों को ढंक लिया था और अंतिम विपत्ति के दौरान मृत्यु के दूत को उनसे होकर "जाने" दिया था, उसी प्रकार यीशु के लहू से, जो क्रूस पर बहा था, मृत्यु उन लोगों से चला जाता है जो विश्वास करते है ।

यह कटोरा उन लोगों के लिए नई वाचा का कटोरा है, जो पापों की क्षमा के लिए यीशु की मृत्यु और पुनरुत्थान पर भरोसा रखते हैं । लूका 22:20 कहता है, “इसी रीति से उस ने बियारी के पीछे कटोरा भी यह कहते हुए दिया कि यह कटोरा मेरे उस लोहू में जो तुम्हारे लिये बहाया जाता है नई वाचा है।”

आईए, इस छुटकारे के कटोरा में भाग लेने से पहले, हम एक बार फिर एक पल लें और अपने हृदयों को जांच लें ।

तीसरा कटोरे को लें ।

सब लोग एक साथ छुटकारे के कटोरे से पिते है।

एलियाह का स्थान

ऐसा माना जाता है, मेज पर खाली जगह एक विशेष स्थान है जो एलियाह के लिए तैयार किया गया है ।

भविष्यवाणी कहता है कि एलिय्याह, मसीहा का मार्ग तैयार करने के लिए फिर से आयेगा । यह द्वार खोलने की एक प्रथा है, यह देखने के लिए कि क्या एलिय्याह यीशु के आने की घोषणा करने के लिए आ रहा है। कुछ लोग कहते है कि यीशु ने अंतिम भिज के दौरान यह स्थान को ले लिया था और कोई खली स्थान नहीं छोड़ा था । हमें इस स्थान को अपने उद्धारकर्ता की उपस्थिति के प्रतीक के रूप में देखना चाहिए।

प्रकाशित वाक्य 19:11-16

हम जानते हैं कि यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला एलिय्याह के आत्मा के रूप में आया था और जंगल में यीशु के आगमन की घोषणा करनेवाला वो आवाज था। कुछ लोग अभी भी सबूत ढूंढते हैं कि एलियाह, यीशु की वापसी से पहले फिर से आएगा।

इस प्रकार, हम द्वार खोल सकते हैं और एलियाह का स्वागत कर सकते हैं, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि हमें यह कहना चाहिए, "तब भी, हे प्रभु यीशु, आ ।"

पुनर्स्थापना का कटोरा

“मैं तुम को अपनी प्रजा बनाने के लिये अपना लूंगा,”

इससे पहले कि हम इस अंतिम कटोरे, पुनर्स्थापना के कटोरे को पियें, हम स्मरण करते है कि परमेश्वर ने इस्राएल को पुनर्स्थापना करने के अपने वादा को पूरा किया है । परमेश्वर ने अपना वचन तब भी निभाया जब पृथ्वी पर ऐसा लग रहा था कि कोई संभव मार्ग नहीं है। परमेश्वर ने अपने लोगों को, अब्राहम के वंशज को, अपना बनाया है, और उन्हें राजाओं और याजकों के रूप में उनकी सही स्थिति में पुनर्स्थापना किया है ।

हम अपने उद्धारकर्ता के द्वारा हमारे स्वयं के जीवन में पुनर्स्थापित हुए हैं। ऐसा कोई सांसारिक परिस्थिति नहीं है जो, परमेश्वर को अपने वचन के अनुसार वादा किए गए स्थिति में हमें राजाओं और याजकों के रूप में पुनर्स्थापना करने के लिए रोक सके ।

यह चौथा कटोरा, निर्गमन 6 में, “मैं तुम को अपनी प्रजा बनाने के लिये अपना लूंगा,” परमेश्वर के चौथे "मैं करूँगा" कथन का प्रतिनिधित्व करता है । यीशु ने अपने शिष्यों से कहा कि वह चौथे कटोरे से नहीं पीएगा, परन्तु आने वाले राज्य में पिने के वादा किया है । इस कटोरे को "प्रशंसा का कटोरा" भी कहा जा सकता है क्योंकि यह वास्तव में "सारा इस्त्राएल का उद्धार होने" के बाद ही चखेगा (रोमियों 11:26)। परमेश्वर, इस्राएल के घराने के सभी खोई हुई भेड़ों को वापस लाने के अपना वादा पूरा करने के लिए विश्वासयोग्य है। हमें एक असाधारण निर्गमन का वादा किया गया है, परन्तु जब हम अपनी आंखों को अनंत काल कि ओर लगते हैं और अपने उद्धार को स्मरण करते हैं, तो आईए, अपने उद्धारकर्ता की उपासना करें, क्योंकि हम अब गुलाम नहीं हैं परन्तु छुडाये गए और स्वत्रंत किये गए लोग हैं।

हाल्लेल (स्तुति)

सेडेर में इस बिंदु पर, हम हाल्लेल के एक भाग को पढेंगे, जो भजन 113-118 है। ये वाक्यांश अतीत में किये गए परमेश्वर के उद्धार के कार्यों का वर्णन करते हैं और हमारे अंतिम छुटकारे के ओर देखते हैं। आइए, हम सब मिलकर भजन 113 को बोलें ।

सभी लोग भजन 118 का एक साथ बोले :

1 यहोवा का धन्यवाद करो, क्योंकि वह भला है; और उसकी करूणा सदा की है!

2 इस्राएल कहे, उसकी करूणा सदा की है।”

3 हारून का घराना कहे, उसकी करूणा सदा की है।

4 यहोवा के डरवैये कहें, उसकी करूणा सदा की है।

5 मैं ने सकेती में परमेश्वर को पुकारा, परमेश्वर ने मेरी सुन कर, मुझे चौड़े स्थान में पहुंचाया।

6 यहोवा मेरी ओर है, मैं न डरूंगा। मनुष्य मेरा क्या कर सकता है?

7 यहोवा मेरी ओर मेरे सहायकों में है; मैं अपने बैरियों पर दृष्टि कर सन्तुष्ट हूंगा।

8 यहोवा की शरण लेनी, मनुष्य पर भरोसा रखने से उत्तम है।

9 यहोवा की शरण लेनी, प्रधानों पर भी भरोसा रखने से उत्तम है॥

10 सब जातियों ने मुझ को घेर लिया है; परन्तु यहोवा के नाम से मैं निश्चय उन्हें नाश कर डालूंगा!

11 उन्होंने मुझ को घेर लिया है, नि:सन्देह घेर लिया है; परन्तु यहोवा के नाम से मैं निश्चय उन्हें नाश कर डालूंगा!

12 उन्होंने मुझे मधुमक्खियों की नाईं घेर लिया है, परन्तु कांटों की आग की नाईं वे बुझ गए; यहोवा के नाम से मैं निश्चय उन्हें नाश कर डालूंगा!

13 तू ने मुझे बड़ा धक्का दिया तो था, कि मैं गिर पडूं परन्तु यहोवा ने मेरी सहायता की।

14 परमेश्वर मेरा बल और भजन का विषय है; वह मेरा उद्धार ठहरा है॥

15 धर्मियों के तम्बुओं में जयजयकार और उद्धार की ध्वनि हो रही है, यहोवा के दाहिने हाथ से पराक्रम का काम होता है,

16 यहोवा का दहिना हाथ महान हुआ है, यहोवा के दाहिने हाथ से पराक्रम का काम होता है!

17 मैं न मरूंगा वरन जीवित रहूंगा, और परमेश्वर के कामों का वर्णन करता रहूंगा।

18 परमेश्वर ने मेरी बड़ी ताड़ना तो की है परन्तु मुझे मृत्यु के वश में नहीं किया॥

19 मेरे लिये धर्म के द्वार खोलो, मैं उन से प्रवेश करके याह का धन्यवाद करूंगा॥

20 यहोवा का द्वार यही है, इस से धर्मी प्रवेश करने पाएंगे॥

21 हे यहोवा मैं तेरा धन्यवाद करूंगा, क्योंकि तू ने मेरी सुन ली है और मेरा उद्धार ठहर गया है।

22 राजमिस्त्रियों ने जिस पत्थर को निकम्मा ठहराया था वही कोने का सिरा हो गया है।

23 यह तो यहोवा की ओर से हुआ है, यह हमारी दृष्टि में अद्भुत है।

24 आज वह दिन है जो यहोवा ने बनाया है; हम इस में मगन और आनन्दित हों।

25 हे यहोवा, बिनती सुन, उद्धार कर! हे यहोवा, बिनती सुन, सफलता दे!

26 धन्य है वह जो यहोवा के नाम से आता है! हम ने तुम को यहोवा के घर से आशीर्वाद दिया है।

27 यहोवा ईश्वर है, और उसने हम को प्रकाश दिया है। यज्ञपशु को वेदी के सींगों से रस्सियों बान्धो!

28 हे यहोवा, तू मेरा ईश्वर है, मैं तेरा धन्यवाद करूंगा; तू मेरा परमेश्वर है, मैं तुझ को सराहूंगा॥

29 यहोवा का धन्यवाद करो, क्योंकि वह भला है; और उसकी करूणा सदा बनी रहेगी!

उपासना

हम धन्यवादी ह्रदय के साथ इस अंतिम कटोरे को पीते हैं।

सभी लोग एक साथ पुनर्स्थापना के कटोरे से पीते है।

यह, मारानाथा या अगले वर्ष नए येरुशलम में, एक साथ कहकर आशा और विश्वास के एक उल्लासपूर्ण उद्घोषणा के साथ सेडेर को समाप्त करने की एक परंपरा है। इसका बड़ा अर्थ है क्योंकि हम, यीशु, हमारे मसीहा के दूसरी आगमन की उम्मीद और अपेक्षा करते हैं । हम आशा में प्रतीक्षा करते हैं और एक साथ कहते हैं:

सब लोग कहें:

मारानाथा! अगले वर्ष नए यरूशलेम में!

फसह के पालन करने के सात आशीषे

निर्गमन 23

परमेश्वर आपको एक स्वर्गदूत देगा।

“सुन, मैं एक दूत तेरे आगे आगे भेजता हूं जो मार्ग में तेरी रक्षा करेगा, और जिस स्थान को मैं ने तैयार किया है उस में तुझे पहुंचाएगा ।” (पद 20) और “मेरा दूत तेरे आगे आगे चलेगा” (पद 23)

परमेश्वर आपके दुश्मनों का दुश्मन होगा

“और यदि तू सचमुच उसकी माने और जो कुछ मैं कहूं वह करे, तो मैं तेरे शत्रुओं का शत्रु और तेरे द्रोहियों का द्रोही बनूंगा।” (पद 22)

परमेश्वर आपको समृद्धि प्रदान करेगा

“और तुम अपने परमेश्वर यहोवा की उपासना करना, तब वह तेरे अन्न जल पर आशीष देगा, और तेरे बीच में से रोग दूर करेगा।” (पद 25)

परमेश्वर आपके रोगों को दूर कर देगा

“और तेरे बीच में से रोग दूर करेगा।” (पद 25)

परमेश्वर आपको लम्बी आयु प्रदान करेगा

“तेरे देश में न तो किसी का गर्भ गिरेगा और न कोई बांझ होगी; और तेरी आयु मैं पूरी करूंगा।” (पद 26)

परमेश्वर आपको बढौतरी और विरासत देगा

“जब तक तू फूल फलकर देश को अपने अधिकार में न कर ले तब तक मैं उन्हें तेरे आगे से थोड़ा थोड़ा करके निकालता रहूंगा।” (पद 30)

परमेश्वर आपको आशीष का एक विशेष वर्ष देगा

“मैं लाल समुद्र से ले कर पलिश्तियों के समुद्र तक और जंगल से ले कर महानद तक के देश को तेरे वश में कर दूंगा; मैं उस देश के निवासियों भी तेरे वश में कर दूंगा, और तू उन्हें अपने साम्हने से बरबस निकालेगा।” (पद 31)